1600 ए. डी. से अब तक मसीहत का फैलाना

सक्षिप्त लेख: आप पढ़े अध्ययन H4a2 मसीहत के पुराने इतिहास के बारे में। इससे पहले आप इसका अध्ययन करें। जो बच्चों को पढ़ाते है उनको H4b3 पढ़ना चाहिए।

1. मसीहत का इतिहास पढ़ाने के लिए प्रार्थना और चवन द्वारा तैयारी करें

प्रार्थना: प्यारे यीशु हमारी और हमारे शिष्य वृन्द की सहायता करें यह जानने के लिए कि संसार में आपने क्या किया और दूसरो को सुसमाचार पहुँचाने में हमारा क्या भाग हो।

बीसवी सदी संसार की जंनसख्या में व्यवहारिक मसीहियों का प्रतिशत।

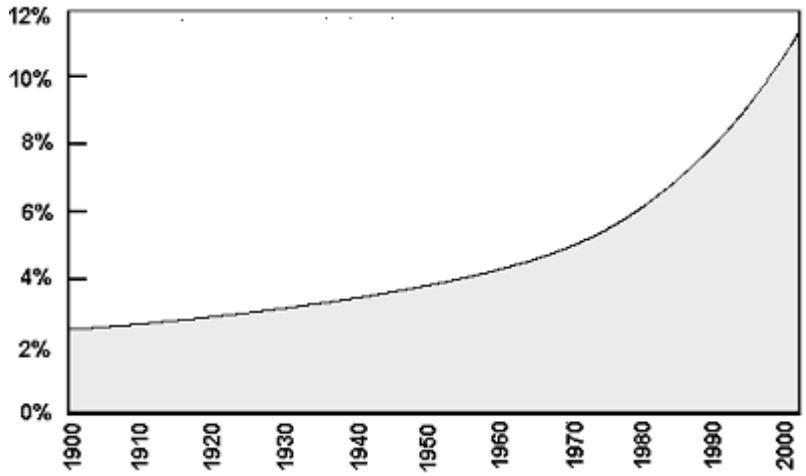

व्यवहारिक मसीहियों को संसार की जनसंख्या में शून्य प्रतिशत से 2.5 प्रतिशत तक होने में अठ्ठारह शताब्दी लगी और केवल सत्तर वर्ष लगे 2.5 प्रतिशत से 5 प्रतिशत होने में 1970 केवल 30 वर्ष लगे 5 प्रतिशत से 11.2 प्रतिशत 2000 में इतिहास में पहली बार यह हुआ कि हर नौ लोगों के पीछे एक व्यवहारिक मसीह है, वह या तो साधारण या फिर गैर मसीही है!

बाइबल अध्ययन

प्रेरितो के काम 6:5-7 में ढूंढें कि सुसमाचार का क्या हुआ जब अगुवो ने साधारण मसीहियों को अधिकार सौप दिया। (उत्तर: वह उसको बहुत आगे तक ले गए और बहुत से लोग विश्वासी बन गए)

प्रेरितो के काम 8:1-8 में ढूंढें अकसार सुसमाचार को क्या हुआ जब अधिकारी मसीहियों के विरोधी हो गए। **प्रेरितो के काम 12:24 से 13:5** में ढूंढें कि पवित्र आत्मा ने कलिसिया से कहा ताकि दूसरे समूह भी सुसमाचार सीख सकें।

प्रेरितो के काम 14:21-23 में ढूंढें कि मुख्य काम चेलों का क्या था जब वह उपेक्षित लोगो के समूह में घूसे।

- उन्होंने किस विषय में बात की (पद 21)
- किन जगहों पर वे गए।
- उन्होने नए विश्वासीयो के लिए क्या करते थे।
- नए मसीहियों को किस प्रकार के अगुवे चाहिए थे।
- धर्म प्रचारको के चले जाने के बाद नई कलिसिया की अगुवाई कौन करेगा।

वर्ष ए. डी. 1600 से 1900

आत्मिक और सभ्यता के धार्मिक सुधार ने यूरोप में मसीहियों को बाइबल रखने और पढ़ने की अनुमति दे दी। इसके काफी असर हुए:

- हज़ारो यूरोपियनो ने यीशु में विश्वास दिखाया और कलिसिया की परम्परागत बातों से आजादी पाई।
- उत्तरी यूरोपियनो ने रोम और पोप के विरूद्ध विद्रोह कर दिया और मठो को नाश कर दिया तथा पोप विरूद्ध धार्मिक लड़ाई शुरू कर दी।
- जर्मनी और इग्लैण्ड के प्रोटेस्टैंट लोगो ने संसार के बहुत से हिस्सो में धर्म प्रचारक भेजे।
- जब कैथौलिक सेना ने दक्षिण अमरीका को जीत लिया तो बहुत से प्रोटेस्टेन्ट उत्तरी अमरीका चले गए और वहाँ पर बहुत से पंथ शुरू कर दी।
- फिर भी विचार शाक्ति के द्वारा धीरे-धीरे यूरोप में मसीह विश्वास बहुत से यूरोपियन में फैलता गया।

मार्टिन लुथर

एक कैथोलिक सन्यासी भिक्षु, लुथर ने नया नियम पढ़ना शुरू किया और यह जाना कि परमेश्वर मनुष्य को सिर्फ उसके विश्वास के द्वारा बचाता है। 1517 में पिचानवे स्वतंत्रता निबन्ध प्रकाशित हुए जिसमें यूरोपियन मसीहियों को बाइबल के लिए बुलाहट थी और उनके विश्वास और जीविका चलाने की स्वतन्त्रा थी। जब कैथोलिक पोप ने उस पर बन्ध लगाया तो उसको छुपना पड़ा। बाइबल द्वारा लुथर के विचार यूरोप में बहुत प्रभावशाली हुए और प्रोटेस्टेन्ट धर्म युद्ध को बढ़ाने में सहायक हुए। आज बहुत से प्रोटेस्टेन्ट पंथ एक और धर्म युद्ध चाहिए बाइबल की बुलाहट के लिए।

बीसवी शताब्दी

युरोपियन शासन से मुक्त उत्तरी अमेरिकन लोगो ने बाइबल का एक हज़ार से ज्यादा भाषाओ में अनुवाद किया और अपना पंथ बहुत से राज्यो में जमाया, जिसके बहुत प्रभाव हुए:

- उन्होंने बहुत सी स्वतन्त्र मसीही धर्म की प्रचारक सँस्थाए शुरू की।
- बहुत से देशों में राज्य की कलिसियाँ स्वतन्त्र हो गई। स्वदेशी और धर्म के काम करने वाले अपने धर्म प्रचारक भेजने लगे।
- चीन में गृह कलिसिया, शासन के अत्याचार के बावजूद तेजी से फैलने लगी।
- मसीह प्रचार इस समय संसार में सबसे तेजी बढ़ता हुहा धार्मिक प्रक्रिया है।
- मसीहियों की बड़ी संख्या चीन, दक्षिण एशिया, अफ्रीका, दक्षिण अमरीका और इडोनेशिया में रहती है।

इक्किसवी शताब्दी के शुरू में

बहुत से देशों से कलिसियाए बचे हुए तथा उपेक्षित लोगों के समूह में पहुँचने की कोशिश कर रहे हैं। इसका मसीहत पर काफी प्रभाव पड़ा:

- स्वेच्छा से, स्वतन्त्र "कलिसिया स्थापना प्रक्रिया" बहुत से जगहों पर शुरू हो गई हैं जहाँ मसीहत का विरोध होता है।
- अधिकतर मसीही बाइबल अपनी भाषा मे सीखते हैं।
- बहुत से विश्वासी कलिसिया के पुराने तरीको से आजाद है। यीशु के प्यार में आज्ञाकारी, प्रार्थनामय सम्पर्क, दया और धर्म प्रचार को अपनाते हैं।
- बहुत सी कलिसिया अपना धार्मिक अगुवा स्वयं चुनती है।

- प्रार्थना करने वाले अपनी सभ्यता के अनुरूप संस्कार और रीति चुनते हैं।

2. अपने सहयोगी के साथ आने वाले सप्ताह का कार्य बनाए

मालूम करो कि किस विश्वासी के पास उसकी भाषा की बाइबल नहीं है, योजना बनाए कि यह बाइबल ढूंढिए जो वह खरीद सकते हैं।

मालूम करिए कौन विश्वासी पढ़ नहीं सकता और ऐसी योजना बनाए कि उसको बाइबल पढ़ने में सहायता मिले।

विचार कीजिए किस कलीसिया के रीति रिवाज विश्वासी को यीशु को स्वतंत्रता पूर्वक मानने से रोक रहे हैं इसके लिए दूसरो की सहायता लें। बहुत से यह रीति रिवाज दूसरी सभ्यता से आते हैं।

विचार कीजिए कि कैसे आपकी कलिसिया बाहरी दानों पर निर्भर करती है और यह योजना बनाए कि यह कैसे स्वंय पोषण करेगा। परमेश्वर उस वृन्द की सहायता करता है जो जरूरत के समय उस पर भरोसा रखते हैं।

मालूम करे कौनसा शिष्य वृन्द आपके नजदीक है जिनके पास ज्यादा मसीही कलिसिया नहीं है। प्रार्थना करें और योजना बनाए कि कुछ सदस्य उनके पास धर्म प्रचारक के रूप में सहायता करें।

दूसरी कलिसियाओ की मदद करें जिनके चारवाहे को आपने प्रक्षिशित कि वह हद से बाहर धर्म प्रचार में सहायता करें।

3. आने वाली प्रार्थनाओ के लिए अपने सहायक के साथ योजना बनाए:

विश्वासी वचन पढ़े और विचार विर्मश करें (भाग एक से) कि शुभ सन्देश कैसे फैला।

मसीह इतिहास के चार सौ वर्षो में विश्वासियो ने शुभ सन्देश कैसे बाँटा।

वह विश्वासी जिसने धर्म प्रचार का काम किया गवाही दे, कि प्रभु ने क्या किया।

विश्वासियो गवाही दे कि प्रभु ने उनकी मदद गृह समूह और छोटी सभा में कैसे की। बच्चे नाटक प्रस्तुत करे जो उन्होंने तैयार किया है।

प्रभु की अन्तिम भोज का परिचय देने के लिए पढ़े प्रेरितो के काम 20:7

व्याख्या करो कि शुरू से बहुत से विश्वासी पुरानी कलिसियाओं के प्रभु भोज का लगातार अनुकरन करते थे

दो और तीन के छोटे समूह योजना बनाए, प्रार्थना करें तथा एक दूसरे को उत्साहित करें।

एक साथ याद करें मरकुस 4:31-32 पहले व्याख्या कीजिए कि यीशु परमेश्वर के राज्य के बारे में बता रहे हैं।

Copyright 2005 © by Paul-Timothy. May be freely copied. Download from www.Paul-Timothy.net